डॉ. रॉबर्ट वानॉय , पुराने नियम का इतिहास, व्याख्यान 21

© 2012, डॉ. रॉबर्ट वानॉय और टेड हिल्डेब्रांट

पितृसत्तात्मक कालक्रम जारी, अब्राहम

पितृसत्तात्मक काल के कालक्रम पर समीक्षा

हम अपने पिछले सत्र में पितृसत्तात्मक काल का कालक्रम देख रहे थे। हमने डेटा के माध्यम से पता लगाया था जो हमें कालक्रम स्थापित करने के लिए जानकारी प्रदान करता है और पाया है कि ऐसा करने में दो चर हैं जो पितृसत्तात्मक काल की तारीख को प्रभावित करते हैं।

पहला था 1 राजा 6:1 चाहे आप 480 वर्षों को शाब्दिक वर्षों के रूप में लें, या चाहे आप इसे किसी तरह से एक योजनाबद्ध संख्या के रूप में लें, इसका परिणाम निर्गमन की प्रारंभिक और देर की तारीख के बीच अंतर होता है। दूसरा चर निर्गमन 12:40 था जो इज़राइल के मिस्र में 430 वर्षों तक रहने की बात करता है। लेकिन, सेप्टुआजेंट में एक पाठ्य संस्करण है जहां यह कहा गया है, "इज़राइल कनान और मिस्र में 430 साल था।" तो फिर आपके मन में यह प्रश्न उठता है कि सबसे अच्छी व्याख्या कौन सी है। क्या ऐसा है कि इजराइल 430 साल मिस्र में था, या इजराइल मिस्र जाने से पहले 215 साल मिस्र में और 215 साल कनान में था। आखिरी घंटे में हमारी चर्चा का मुद्दा यही था। आपको इसे 215 से विभाजित करना होगा क्योंकि पितृसत्तात्मक उम्र 130, 60 और 25 है। 130 मिस्र जाने से पहले जैकब की उम्र है। 60 एसाव और याकूब के जन्म से पहले इसहाक के 60 वर्ष थे। 25 वर्ष 25 वर्ष है, इसहाक के जन्म से पहले इब्राहीम कनान में था। इसलिए यह दिलचस्प है कि यदि आप उन आंकड़ों को जोड़ते हैं तो यह 430 के बिल्कुल आधे हिस्से में विभाजित होता है।

430 वर्षों के साक्ष्य, उत्पत्ति 15 और अधिनियम 7

अब हम जो कर रहे थे वह 430 वर्षों, उत्पत्ति 15 और अधिनियम 7 और कारकों के रूप में जनसंख्या वृद्धि के साक्ष्य पर गौर करना था। घंटे के अंत में हमने 215 वर्षों का साक्ष्य दिखाया और प्राथमिक तर्क गलातियों 3:17 है, जो कहता है, "जो व्यवस्था प्रतिज्ञा के 430 वर्ष बाद आई, और प्रतिज्ञा इब्राहीम से की गई थी।" अब मैंने उल्लेख किया है कि मुझे लगता है कि ठीक समय के अंत

में, इस तर्क का जवाब देने का एक तरीका है कि यह मिस्र में 215 साल और कनान में 215 साल का प्रवास स्थापित करता है, यह कहना है कि वादा जैकब से ठीक पहले दोहराया गया था। मिस्र में जाने के लिए. मैंने आपको वे सन्दर्भ दिये, उत्पत्ति 46:3, और 35:9। तो यह उस पर प्रतिक्रिया देने का एक तरीका है।

गलातियों 3:17 पर , लेकिन मैं उस पर सिर्फ एक अन्य टिप्पणी का उल्लेख करना चाहता था, और वह केए किचन का सुझाव था। यह वही पुस्तक है जिसका मैंने पिछली कक्षा के घंटे में उल्लेख किया था, *प्राचीन ओरिएंट और ओल्ड टेस्टामेंट*, पृष्ठ 53, नोट 97। यह आपकी ग्रंथ सूची में है, पृष्ठ 12 के नीचे। किचन वहां कहता है, "गलातियों 3:17 में पॉल, है एक एकल बिंदु को स्थापित करने के लिए चिंतित, कि कानून इब्राहीम के साथ भगवान की वाचा के बहुत बाद आया था। इसलिए वह अपनी बात इन घटनाओं के बीच के वास्तविक अंतराल की परिश्रमपूर्वक गणना करके नहीं, बल्कि उस अंतराल में शामिल 430 वर्षों के एक प्रसिद्ध आंकड़े का हवाला देकर देते हैं। तो, वह क्या कह रहा है जब आप गलातियों 3:17 को पढ़ते हैं जहां यह कहता है, "मैं यह कहता हूं, कि जो वाचा परमेश्वर के साम्हने मसीह में पक्की की गई, और जो व्यवस्था 430 वर्ष बाद की है, वह उस प्रतिज्ञा को रद्द नहीं कर सकती, जिस पर कोई प्रभाव न पड़े। " वह कह रहे हैं कि 430 वर्ष समय का एक प्रसिद्ध खंड था जिसके बारे में हर कोई उस बड़े अंतराल में जानता था। तो यह उस संख्या की उपस्थिति की व्याख्या करने का किचन का तरीका है। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि इब्राहीम से लेकर मूसा तक का पूरा समय 430 वर्ष था।

अब वह आगे बढ़ता है और वह उस संबंध में एक और बयान देता है जो मुझे लगता है कि उसके विचार के संबंध में महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह कहता है, "पॉल ने 430 वर्षों की सेप्टुआजेंट व्याख्या का उपयोग किया था, यह एक अनावश्यक और अनावश्यक धारणा है जहां की इच्छा है आधुनिक टिप्पणियाँ शायद अक्सर इस विचार की जनक होती हैं।" किचन यह नहीं कह रहा है कि पॉल सेप्टुआजेंट का पालन कर रहा है। वह कह रहा है कि वह जो कर रहा है वह केवल 430 वर्षों के बड़े अंतराल के भीतर एक प्रसिद्ध समय का हवाला दे रहा है। यह भी एक संभावित स्पष्टीकरण है. मुझे लगता है कि वह यह कहकर सतर्क है कि पॉल सेप्टुआजेंट का अनुसरण कर रहा है, जो

उसका समर्थन है, क्योंकि यदि पॉल सेप्टुआजेंट का हवाला दे रहा था, और सेप्टुआजेंट कहता है कि मिस्र में केवल 215 वर्ष हैं, तो आप इन सभी उत्पत्ति अनुच्छेदों के साथ क्या करते हैं? इसमें 400 वर्ष का उल्लेख है, यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है।

उत्पत्ति 15:16 और निर्गमन पर। 6:16-20

ठीक है, तो गैलाटिया एनएस 3:17 निश्चित रूप से, 215 साल के दृष्टिकोण के पक्ष में मजबूत पाठ है । सेमरिटन पेंटाटेच, साथ ही सेप्टुआजेंट, उस दृष्टिकोण का समर्थन करता है। मैंने पहले ही सेप्टुआजिंट के पाठ पर चर्चा की है, जिसमें कहा गया है, "इस्राएल के बच्चों का मिस्र और कनान देश में प्रवास करते समय उनका प्रवास 430 वर्ष का था।" तर्क की दूसरी पंक्ति जो 430 वर्षों का समर्थन करती है वह उत्पत्ति 15:16 और निर्गमन 6:16-20 है। अब हम पहले ही उत्पत्ति 15:16 को देख चुके हैं, आप देखते हैं कि उत्पत्ति 15:16 कहता है, "चौथी पीढ़ी में, वे फिर यहाँ आएंगे ।"-- चौथी पीढ़ी। निर्गमन 6:16-20 कहता है, " लेवी के पुत्रों के नाम उनके अभिलेख के अनुसार ये थे: गेर्शोन, कहात और मरारी ।" लेवी 137 वर्ष जीवित रहे। गेर्शोन के पुत्र, कुलों के अनुसार, लिब्नी और शिमी थे। कहात के पुत्र अम्राम, यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल थे । कहात एक तैंतीस वर्ष जीवित रहा। मरारी के पुत्र महली और मूशी थे । उनके अभिलेखों के अनुसार लेवी के कुल ये ही थे। अम्राम ने अपने पिता की बहन योकेबेद से विवाह किया, जिससे उसके हारून और मूसा उत्पन्न हुए। अम्राम 137 वर्ष जीवित रहा ।" अब यह एक वंशावली है. यदि आप इसका पता लगाते हैं तो आप पाते हैं कि संरचना इस प्रकार है: आप पद 16 में लेवी से कहात तक, और कहात से अम्राम, और अम्राम से मूसा की ओर बढ़ते हैं। और निस्संदेह, लेवी के बेटे गेर्शोन, कहात और मरारी हैं , गेर्शोन के बेटे लिब्नी और शिमी हैं और मरारी के बेटे महली और मूशी हैं । अम्राम के बेटे हैं: मूसा और हारून। ये अन्य नाम हैं जो निर्गमन 6:16-20 में उस क्रम में हैं।

अब सवाल यह है कि क्या आप उत्पत्ति 14 को जोड़ते हैं जो चार पीढ़ियों के बारे में कहता है, निर्गमन 6 के साथ, चार पीढ़ियाँ हैं, लेवी, कहात, अम्राम और मूसा, जो 400 वर्षों की तुलना में 215 वर्षों के साथ बेहतर प्रतीत होती हैं। एक पीढ़ी आम तौर पर 100 साल की नहीं होती, लेकिन

आप देखिए, समस्या यह है कि इसमें कई समस्याएं हैं। समस्याओं में से एक उत्पत्ति 15 में भी है, यह आम तौर पर चार पीढ़ियों को नहीं कहता है, यह 400 साल कहता है। ताकि वह *डी ओर देयर* या "पीढ़ी" वैसे ही हो सके जैसा मैंने पहले समझाया था, लगभग 100 वर्षों की अवधि। तो यह लगभग 400 वर्ष होगा।

अब किचन भी इस मामले पर चर्चा करता है, और वह पद 20 में दिए गए कथन के बारे में कहता है, कि, "अम्राम ने अपने पिता की बहन जोकेबेद को ब्याह लिया, और उस से हारून और मूसा उत्पन्न हुए। वह कहते हैं, "निर्गमन 6:20 में जोकेबेद ने अम्राम, हारून और मूसा को जो बयान दिया है, वह तत्काल वंश साबित नहीं होता है।" हम भाषा के उसी मुद्दे पर वापस आ गए हैं जिसका उपयोग बाइबिल की वंशावली में किया गया है। और उनका विचार है: "निर्गमन 6:16-20 पूर्ण वंशावली नहीं है बल्कि केवल जनजाति, लेवी देता है; कुल, कहात; और योकेबेद के निकट अम्राम नामक परिवार समूह, जिसमें मूसा और हारून थे।" ताकि अम्राम और जोचेबेद को वास्तविक माता-पिता न समझा जाए। यह अम्राम और जोकेबेद का परिवार समूह है जिसमें से मूसा आता है। अब अगर ऐसा मामला है, और मुझे लगता है कि किचन काफी ठोस आधार पर है जब वह सुझाव देता है कि, अगर ऐसा मामला है, तो हम नहीं जानते कि मूसा के तत्काल माता-पिता के नाम क्या थे। निर्गमन कथा में उनका उल्लेख नहीं किया गया है, जो कि पहले निर्गमन कथा में है जहां मूसा बुलरुश वगैरह में छिपा हुआ है, और वहां नाम नहीं दिए गए हैं।

अब, एक और कारक है जो मुझे लगता है कि यह अच्छी तरह से पुष्टि करता है कि यह एक उचित समझ है, और वह है, अम्रामाइट्स , अर्थात्, अम्राम के वंशजों का यह समूह निर्गमन के समय पहले से ही काफी संख्या में थे। संख्या 3:27 और 28 को देखें, " कहात अम्रामियों , इज़हारियों , हेब्रोनियों और उज्जीलियों के कुलों का था ; ये कहातियों के कुल थे। "देखिए, यह सब अम्राम और जोचेबेद के वंशज हैं। " एक महीने या उससे अधिक उम्र के सभी पुरुषों की संख्या 8,600 थी। कहाती पवित्रस्थान की देखभाल के लिए उत्तरदायी थे ।" निर्गमन के समय में 8,600, इसलिए, मुझे लगता है कि आप एक से अधिक पीढ़ी की बात कर रहे हैं, आपको होना ही चाहिए। हालाँकि, साथ ही, मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जनगणना के इन आँकड़ों में कुछ समस्याएँ हैं, और मैं उस पूरे मुद्दे पर बाद में चर्चा करना चाहता हूँ। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि आप केवल

यह नहीं कह सकते कि उत्पत्ति 15:16 चार पीढ़ियों को कहता है, निर्गमन 6 में लेवी, कहात, अम्राम, मूसा शामिल हैं, इसलिए यह चार पीढ़ियों के साथ बेहतर फिट बैठता है, और यह 215 वर्षों के साथ बेहतर फिट बैठता है, और इसका उपयोग करें 215 को स्थापित करने के लिए एक तर्क के रूप में। यह उससे कहीं अधिक जटिल है।

वन्नॉय के निष्कर्ष: 430 वर्ष

इसलिए मुझे लगता है कि सभी बातों पर विचार करने के बाद, 430 वर्षों के साथ मैसोरेटिक पाठ के साथ बने रहना बेहतर होगा। हम गैलाटियन परिच्छेद को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, यहां तक कि किचन के तरीके से भी, बड़े विस्तार के भीतर एक मुख्य व्यक्ति का हवाला देकर, या इब्राहीम से किए गए वादे को जैकब के साथ पुन: पुष्टि के रूप में इंगित करके, कानून उसके 430 साल बाद का था। प्रश्न या टिप्पणियाँ? यह कोई साधारण समस्या नहीं है, इसके कई पहलू हैं।

खैर, मुझे लगता है कि 430 के लिए तर्क मुख्य रूप से उत्पत्ति 15:13;15:16, अधिनियम 7:6-7 और जनसंख्या वृद्धि हैं। ठीक है, हम बाइबिल के आंकड़ों से जुड़ी कठिनाइयों पर गौर कर रहे थे। सबसे पहले, मैंने कहा कि इस 1 राजा 6:1, 480 वर्ष की बात को निर्दिष्ट करना कठिन है। दूसरे, 430 वर्ष, जिस पर हम अभी चर्चा कर रहे हैं।

उत्पत्ति 14 तर्क तीसरा, जो वास्तव में सी होगा। 2 के अंतर्गत। " हमारे पास उत्पत्ति में वर्णित इब्राहीम के किसी भी समकालीन की पहचान करने के लिए कोई अतिरिक्त-बाइबिल साक्ष्य नहीं है।" अब वहां जो सामने आता है, और हम इस पर बाद में थोड़ा और चर्चा करेंगे, वह विशेष रूप से अध्याय 14 है, क्योंकि 14 में, आपके पास राजाओं का गठबंधन है जो आता है और लूत पर हमला करता है और उसे पकड़ लेता है। इब्राहीम उनका पीछा करता है, और उत्पत्ति 14 में वर्णित कई देशों के कई राजा हैं। यदि हम अतिरिक्त-बाइबिल साक्ष्य से जानते हैं कि "ओह यहाँ ऐसा है और ऐसा है" तो हम उसे मेसोपोटामिया के रिकॉर्ड या कुछ और कह सकते हैं, यह इब्राहीम के समय का लिंक देने में मदद मिलेगी। हालाँकि, हमारे पास ऐसा कुछ भी नहीं है।

अब किचन सामान्य तरीके से कहता है कि राजाओं के उस गठबंधन के साथ उत्पत्ति 14 2000 से 1750 ईसा पूर्व की अवधि के लिए मेसोपोटामिया में राजनीतिक पैटर्न में फिट बैठता है, लेकिन पहले या बाद में नहीं। यह 2000 से 1750 ईसा पूर्व की अवधि के लिए छोटे शहर-राज्य राजाओं के गठबंधन के साथ मेसोपोटामिया में राजनीतिक पैटर्न में फिट बैठता है, लेकिन पहले या बाद में नहीं। तो उस हद तक हम कह सकते हैं कि इब्राहीम लगभग 2000 से 1750 ईसा पूर्व में फिट बैठता है लेकिन आप इसे पूरा नहीं कर सकते। तो मुद्दा यह है कि कालक्रम के साथ कठिनाई ये दो कारक हैं और कोई अतिरिक्त-बाइबिल साक्ष्य वास्तव में हमारी बहुत मदद नहीं करता है।

निर्गमन की प्रारंभिक/देर की तारीख

3. आपकी रूपरेखा पर. यहां वे चर हैं जिन पर हम पहले ही चर्चा कर चुके हैं लेकिन केवल समीक्षा के माध्यम से। चर दो हैं: निर्गमन की शुरुआत/देर से। आपके पास निर्गमन की प्रारंभिक तिथि है, वह 1446 ईसा पूर्व है, यदि आप निर्गमन के लिए देर की तारीख लेते हैं, 1290 ईसा पूर्व। दूसरा चर यह है कि क्या आप कनान और मिस्र में इज़राइल की लंबाई पर मैसोरेटिक पाठ या सेप्टुआजेंट का पालन करते हैं । यदि आप मैसोरेटिक पाठ का पालन करते हैं, तो इसका मतलब है कि 1446 प्लस 645 वर्ष है। 430 प्लस 215 बराबर 645। तो आप बस 645 जोड़ें, आपको इब्राहीम के कनान में प्रवेश के लिए 2091 ईसा पूर्व मिलता है। यदि आप सेप्टुआजिंट का अनुसरण करते हैं, तो आपको 1876 ईसा पूर्व मिलता है, जो मिस्र में 215 और कनान में 215 से केवल 430 जोड़ रहा है।

लेकिन यदि आप निर्गमन की आखिरी तारीख से शुरू करते हैं, तो आमतौर पर लगभग 1290, कभी-कभी यह 1260, या कहीं उस अवधि में होता है। यदि आप मैसोरेटिक पाठ परंपरा का पालन करते हैं, तो प्लस 645 आपको 1935 ईसा पूर्व देता है और सेप्टुआजेंट पढ़ने से आपको 1720 ईसा पूर्व मिलता है। आप अच्छी तरह से देखते हैं कि सीमा अंततः 2091 से 1720 ईसा पूर्व तक हो जाती है, जो आपके द्वारा अनुसरण किए जाने वाले चर पर निर्भर करता है। इसीलिए शुल्ट्ज़ ने कुलपतियों के कालक्रम की अपनी चर्चा की शुरुआत में कहा कि यह बात 100% निश्चित नहीं है, हालाँकि वह अब पहले की तारीख का समर्थन करते हैं, जिसका मैं भी समर्थन करूँगा। मुझे ऐसा

लगता है कि सबूतों का महत्व निर्गमन की शुरुआती तारीख तक जाता है, मैं उस पर बाद में चर्चा करूंगा, और इसके कारणों पर, और मैसोरेटिक पाठ पढ़ने के लिए भी। सवाल या टिप्पणियां?

डी. इब्राहीम 1. इब्राहीम एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में इब्राहीम की भौगोलिक यात्रा एल एट की रूपरेखा पर डी से आगे बढ़ते हैं, जो है: "अब्राहम।" हम पितृसत्तात्मक काल और इब्राहीम के अधीन चर्चा कर रहे हैं, 1. "एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में इब्राहीम।" मैं पहले इब्राहीम पर एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में चर्चा करने जा रहा हूं, और फिर इब्राहीम को हमारे आध्यात्मिक पिता के रूप में चुनूंगा और चर्चा करूंगा। लेकिन सबसे पहले, एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में इब्राहीम पर एक नज़र डालें, और एक छोटा सा। है: "उसकी भौगोलिक गतिविधियों की सामान्य रूपरेखा।" जब हम उत्पत्ति 11:28 पर वापस जाते हैं, तो आप पढ़ते हैं, "हारान कसदियों के ऊर में अपनी जन्मभूमि में अपने पिता तेरह से पहले मर गया।" फिर पद 31 में " तेरह ने अपने पुत्र इब्राहीम को, और हारान के पुत्र लूत को, जो अपने पोते का पोता था, साय लिया, वे कसदियों के देश से कनान देश में जाने को चले। और वे हारान में आए और वहां रहने लगे। तो, उनका जन्म कलडीन के उर में हुआ है, उत्पत्ति के इस खंड के अधिकांश छात्र कलडीन के उर को दक्षिणी मेसोपोटामिया में उर समझते हैं, उर की खुदाई लियोन वूली द्वारा की गई थी। आपने फाइनगन में उस दक्षिणी उर के बारे में पढ़ा । उर का तीसरा राजवंश 2070 से 1960 ईसा पूर्व का है, इसलिए आप देखते हैं कि यह अब्राहम के समय के बारे में सही है। उर का तीसरा राजवंश वह नव-सुमेरियन काल था, जिसकी चर्चा फाइनगन ने पृष्ठ 39 और उसके बाद की है। वे ऊर से हारान गए और आप उत्पत्ति 11:31 में पढ़ते हैं कि "वे हारान आए और वहां रहने लगे।" अब उर यहाँ नीचे है, बेबीलोन के पार फरात नदी की ओर बढ़ें, मारी के पार उत्तर में हारान तक जाएँ। कुछ लोग अब कसदियों के उर के संदर्भ को हारान के उत्तर-पूर्व में उत्तरी उर के संदर्भ में पाते हैं, हालांकि इस नए सुझाए गए स्थान पर बहस चल रही है।

उत्पत्ति 12:1 में प्रभु ने इब्राहीम से कहा कि वह अपने पिता के घर के रिश्तेदारों के पास से उस देश से बाहर निकल जाए। आप 12:4 में पढ़ते हैं कि इब्राहीम हारान से बाहर चला गया और फिर 12:6 में, "इब्राहीम उस देश से होकर मोरे के बांज वृक्ष के नीचे शकेम के स्थान तक गया, और

उस समय कनानी उस देश में थे।" इसलिए वह वहां से उत्पत्ति 12:6 में दमिश्क से आगे शकेम के क्षेत्र में चला जाता है। उत्पत्ति 12:8 में यह कहा गया है, "वह वहां से बेतेल के पूर्व में एक पहाड़ पर चला गया," देखो बेतेल और ऐ शकेम से थोड़ा दक्षिण में हैं। "पश्चिम में बेतेल और पूर्व में ऐ, और वहां उस ने अपने लिये एक वेदी बनाई।" फिर श्लोक 9 में, "उसने नेगेव की ओर यात्रा की," जो आगे दक्षिण में है, और फिर आप श्लोक 10 में पढ़ते हैं, "देश में अकाल पड़ा, अब्राम मिस्र चला गया और वहीं रहने लगा।" इसलिए वह मिस्र तक चला गया। फिर उत्पत्ति 13:1 में, इब्राहीम, अपनी पत्नी, और अपना सारा धन, और लूत को संग लेकर मिस्र से निकलकर दक्खिन देश में चला गया। श्लोक 3 कहता है, वह नेगेव से बेतेल तक अपनी यात्रा से, अपनी शुरुआत के स्थान पर, बेथेल और ऐ के बीच गया। और फिर पद 18 कहता है, "इब्राहीम ने अपना तम्बू हटा दिया, और हेब्रोन में मम्रे के बांज वृक्षों के पास आकर रहने लगा, और वहां यहोवा के लिये एक वेदी बनाई।" तो मूल रूप से आपके पास कसदियों के उर से लेकर हारान तक, नीचे मिस्र तक, फिर कनान तक उसकी आवाजाही है, जिसमें कनान में कई स्थलों का उल्लेख है: शेकेम, ऐ, बेथेल, हेब्रोन और मम्रे । अब यह काफी लंबी यात्रा है. आधुनिक परिवहन के साथ आज भी यह काफी लंबी यात्रा होगी। तो इब्राहीम वह था जो बहुत यात्रा करता था।

बी। उत्पत्ति 14 1. इब्राहीम

अब धनवान बी. आपकी शीट पर, "इब्राहीम एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में" के अंतर्गत उत्पत्ति 14 है। मैंने पहले ही इसका संदर्भ दे दिया है। यह एक उल्लेखनीय अध्याय है। पहली बात जो हम इसके बारे में नोटिस करते हैं, वह यह है कि यह असामान्य है क्योंकि यह पितृसत्ता के हिस्से की सैन्य गतिविधि का एकमात्र रिकॉर्ड है। यद्यपि आप सोच सकते हैं कि इब्राहीम कुछ हद तक खानाबदोश था, वह कसदियों के उर से हारान तक, मिस्र तक और वापस चला जाता है। हमें उसे एक गरीब व्यक्ति के रूप में नहीं देखना चाहिए। कोई व्यक्ति अपने गधे पर सवार होकर रास्ते पर जा रहा था, क्योंकि वह बहुत अमीर आदमी था। इसका संकेत अध्याय 13 श्लोक 2 में दिया गया है

जहां यह कहा गया है, "इब्राहीम मवेशियों, चांदी और सोने में बहुत अमीर था।" और आयत 6 में, जब आप इब्राहीम और लूत के बीच उस विवाद पर पहुँचते हैं, तो हम पढ़ते हैं, "भूमि उन्हें सहन नहीं कर सकी, कि वे एक साथ रह सकें क्योंकि उनकी संपत्ति इतनी बड़ी थी कि वे एक साथ नहीं रह सकते थे।" जाहिर तौर पर उनके पास बहुत सारे गाय-बैल और झुण्ड थे, और वह बहुत अमीर आदमी था। संभवतः मवेशियों का एक धनी व्यापारी।

उसके असंख्य नौकर थे। आपने अध्याय 12 श्लोक 5 में पढ़ा, "इब्राहीम ने अपनी पत्नी सारै, और लूत, अपने भाई का पुत्र, और उनका सारा धन जो उन्होंने इकट्ठा किया था, और आत्माओं को जो हारान में प्राप्त हुए थे, ले लिया, और वे कनान देश में जाने के लिए निकले। " "जो आत्माएँ उन्हें हारान में मिलीं," निस्संदेह नौकर थीं। जाहिर तौर पर उसके कई नौकर थे। आपने उत्पत्ति 13:7 में पढ़ा कि इब्राहीम के मवेशियों के चरवाहों और लूत के मवेशियों के चरवाहों के बीच झगड़ा हुआ था।

इसलिए इब्राहीम और लूत के पास नौकर थे, उनमें से कई निस्संदेह चरवाहों के रूप में सेवा करते थे, लेकिन यदि आवश्यक हो तो वे नौकर सैन्य तरीके से कार्य कर सकते थे, और यही तब हुआ जब राजाओं के इस गठबंधन ने उन पर हमला किया और लूत का अपहरण कर लिया गया। आपने श्लोक 14, अध्याय 14 में पढ़ा, "जब इब्राहीम ने सुना कि उसका भाई बंधुआ बना लिया गया है, तो उसने अपने प्रशिक्षित नौकरों को, जो उसके घर में पैदा हुए थे, हथियारों से लैस किया, 318, और दान तक उनका पीछा किया।" तो आपके पास वहां 318 सेवकों की संख्या दी गई है, उन्हें स्पष्ट रूप से लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया था और वे लूत को बचाने के लिए निकले थे। तो आप इब्राहीम को एक अलग दृष्टिकोण से देखते हैं, जैसा कि हम आमतौर पर अध्याय 14 में उसके बारे में सोचते हैं।

2. उत्पत्ति 14 - हमें कई राजाओं के नाम देता है

उत्पत्ति 14 के बारे में दूसरी बात जो काफी उल्लेखनीय और अलग है, वह यह है कि यह हमें कई राजाओं के नाम, और उनके द्वारा शासन किए गए स्थानों और युद्धों की संख्या के स्थानों के नाम देती है। आप अध्याय की शुरुआत इस कथन से करते हैं " इस समय शिनार का राजा अम्रापेल

, एल्लासर का राजा अर्योक , एलाम का राजा कदोर्लाओमेर और गोइम का राजा तिदाल सदोम के राजा बेरा, अमोरा के राजा बिरशा , अदमा के राजा शिनाब , शेमेबेर के विरुद्ध युद्ध करने गए थे।" सबोयीम का राजा , और बेला (अर्थात सोअर) का राजा। ये सभी बाद के राजा सिद्दीम (नमक सागर) की घाटी में सेना में शामिल हो गए । बारह वर्ष तक वे केडोर्लाओमेर के अधीन रहे , परन्तु तेरहवें वर्ष में उन्होंने विद्रोह कर दिया। चौदहवें वर्ष में कदोर्लाओमेर और उसके संगी राजाओं ने निकलकर अश्तरोत में रपाईयों को परास्त किया। कर्णैम , हाम में जूजी , शावे में एमी किरियथैम " इत्यादि। इतिहासकारों की इसमें हमेशा रुचि रही है: ये लोग कौन हैं?

वहां के पहले व्यक्ति, शिनार के राजा अम्रफेल के बारे में बहुत चर्चा हुई है और ऐसा हुआ था कि कई लोगों ने उसे हम्मुराबी के साथ पहचानने की कोशिश की थी। हम्मुराबी और अम्रफेल नाम में थोड़ी समानता है । शिनार बेबीलोन लगता है इसलिए यह उस लिहाज से फिट होगा। लेकिन हम्मूराबी की डेटिंग के हालिया सबूत इसे, मुझे लगता है, असंभाव्य बनाते हैं। हम्मुराबी का काल निर्धारण अब लगभग 1700 ईसा पूर्व के आसपास है, मेरा मतलब है 1728 से 1686 ईसा पूर्व , इसलिए मैं कहूंगा कि लगभग 1700 ईसा पूर्व। जिस तरह से इसका काल निर्धारण हुआ है, वह उन मारी पत्रों से है, जहां हम्मुराबी और ज़िमरी लिम के बीच पत्राचार हुआ था। , मारी का राजा। अंततः हम्मूराबी ने ज़िमरी लिम को हरा दिया, लेकिन ऐसा माना जाता था कि हम्मूराबी पहले था, लेकिन अब यह बहुत अच्छी तरह से तय हो गया है कि वह लगभग 1700 ईसा पूर्व का है।

1700 ईसा पूर्व इब्राहीम के लिए देर हो चुकी होगी, जब तक कि आप निर्गमन की देर की तारीख नहीं लेते। ई. स्पाइसर का *जेनेसिस* एंकर बाइबिल कमेंटरी, वह पृष्ठ 107 पर अम्रफेल पर चर्चा करता है और वह कहता है, "भाषाई रूप से, अम्रफेल और हम्मुराबी नामों को जोड़ने का कोई तरीका नहीं है ।" स्पाइसर का कहना है कि अम्रफेल में अंतिम "एल" हम्मुराबी के लिए वाई के लिए एक त्रुटि होगी - अंतिम एल और वाई। प्रारंभिक *एलेफ ' अयिन'* के लिए एक गलती है , अम्रफेल में एक *एलेफ है* , और हम्मारूबी , इसके बराबर है एक ' *आयिन. अलेफ़* और ' *अयिन* हमें बहुत अलग नहीं लगते , लेकिन इनमें से कुछ भाषाओं में, वे काफी भिन्न हैं। तो स्पाइसर जो इंगित कर रहा है, वह यह है कि भाषाई रूप से, आप वास्तव में दो नामों को जोड़ने का कोई मामला नहीं बना सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह है कि हम नहीं जानते कि अम्रफेल कौन था क्योंकि वह कौन

था इसके बारे में बाइबिल से बाहर कोई सबूत नहीं है। फिर, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें उत्पत्ति 14 की ऐतिहासिक विश्वसनीयता के बारे में संदेह करना चाहिए। मैं पुरातत्व संबंधी खोजों की खंडित प्रकृति के पूरे मामले पर वापस आता हूँ। उत्पत्ति 14 एक दिलचस्प अध्याय है क्योंकि इसमें वे सभी नाम हैं। शायद किसी दिन, आप जानते हैं कि इन एबला खोजों की तरह, शायद कोई इन लोगों और स्थानों के संदर्भ में गोलियाँ लेकर आएगा जिनके बारे में फिलहाल हम कुछ भी नहीं जानते हैं।

एबला गोलियों में, प्रारंभिक रिपोर्टों में से एक यह थी कि उत्पत्ति 14 में वर्णित पांच शहरों का संदर्भ था, और केवल पांच शहर नहीं थे, बल्कि वे ठीक उसी क्रम में थे जैसे उत्पत्ति 14 में उनका उल्लेख किया गया था। डेविड नोएल फ्रीडमैन नाम का एक व्यक्ति, जो इस बात से इतना प्रभावित हुआ कि उसने यह प्रस्ताव रखा कि पितृसत्तात्मक काल को लगभग 2300 तक पीछे धकेल दिया जाना चाहिए, जो कि एबला गोलियों के साथ मेल खाता है। यह एबला टैबलेट में एक ही क्रम में उल्लिखित पांच नामों के आधार पर एक क्रांतिकारी प्रस्ताव है। वे ग्रन्थ अभी भी प्रकाशित नहीं हुए हैं, वे पाँच नाम और उनका क्रम। यह उन लोगों में से किसी एक के व्याख्यान या किसी अन्य चीज़ से मिली जानकारी थी, जिसके पास दी गई गोलियों तक जानकारी या पहुंच थी। इसके बाद से गोलियों तक पहुंच रखने वाले अन्य लोगों में से एक ने इस पर विवाद किया है कि इस व्यक्ति ने वास्तव में कुछ प्रतीकों को गलत तरीके से पढ़ा था और इन शहरों का नाम उसी क्रम में नहीं रखा गया था। मैं भूल गया कि कौन सा सही था, लेकिन इस बिंदु पर पूरा मुद्दा कुछ ऐसा है जो अस्पष्ट है, क्योंकि आप सामग्री तक नहीं पहुंच सकते हैं और यह सीरियाई सरकार के साथ कुछ हद तक राजनीतिक हो गया है। लेकिन जाहिरा तौर पर एबला गोलियों में, इनमें से कुछ शहरों का उल्लेख किया गया है - उदाहरण के लिए सदोम।

रीति-रिवाज परिस्थितिजन्य साक्ष्य हैं, इस अर्थ में कि जिस प्रकार के विचार कुछ उदाहरणों में हम्मुराबी के कानूनों में प्रतिबिंबित होते हैं, लेकिन विशेष रूप से नुजी दस्तावेजों में , दास गोद लेने, विवाह अधिकार, विरासत अधिकार जैसी चीजें बहुत अधिक प्रतीत होती हैं उन रीति-रिवाजों के समान जो हम पितृसत्तात्मक आख्यानों में परिलक्षित पाते हैं, लेकिन नुज़ी बाद का है, लगभग 1400-1500 ईसा पूर्व का है, इसलिए यह परिस्थितिजन्य साक्ष्य है, यह बहुत कुछ साबित नहीं करता

है। लेकिन यह तथ्य कि यह बाद में है, बहुत महत्वपूर्ण नहीं है, मुझे नहीं लगता, क्योंकि इस तरह के रीति-रिवाज पारंपरिक चीजें होते हैं जो 200 या 300 या यहां तक कि 500 वर्षों की अवधि में भी उतना नहीं बदलते हैं।

केडोरलाओमर यहां दूसरा नाम है जिसके बारे में अक्सर बात की जाती है, दिलचस्प बात यह है कि हम जानते हैं कि वह नाम वास्तव में एलामाइट है, एलाम का राजा केडोरलाओमेर , क्योंकि हमें एलामाइट ग्रंथों में इसी तरह के नाम मिले हैं। बिल्कुल यही नहीं, बल्कि केडोर या चेडोर , इसके पहले भाग का अर्थ है "नौकर।" और " लाओमर " एक एलामाइट देवी " लाओमर " है। तो यह वास्तव में इस देवी का सेवक है, नाम का अर्थ है, और यह प्रारंभिक एलामाइट ग्रंथों के बारे में ज्ञात जानकारी से मेल खाता है।

318 सेवक चर्चा

मैं आकार के मुद्दे पर चर्चा करने की योजना नहीं बना रहा था, 318 नौकर जो अक्सर इस पर सवाल उठाते हैं। मुझे लगता है कि यह चीज़ उन अमरना पत्रों के समान है, जो निश्चित रूप से कुछ समय बाद के हैं, लेकिन कनानी शहर-राज्य के राजाओं के मिस्र के फिरौन को लगभग 1400 ईसा पूर्व के वे पत्र आपके पास कुछ अमर्ना पत्रों में हैं, जिनमें बहुत छोटी सैन्य आकस्मिकताओं का संदर्भ है आकार, जो इसके समान होंगे। मुझे लगता है कि मैंने आपको पहले पढ़ा है कि गुंकेल ने कहा था कि यह हास्यास्पद था, या इससे कुछ प्रभावित करने वाली बात थी। आप विश्वास नहीं कर सकते कि मात्र 318 लोगों की विश्व-विजयी सेना मेसोपोटामिया के राजाओं के इस गठबंधन को हरा सकती है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको इसे संदर्भ में रखना होगा। ये साम्राज्य नहीं थे, जैसे कि मिस्र साम्राज्य, मेसोपोटामिया साम्राज्य, या बाद में असीरिया और बेबीलोन। ये छोटे शहर-राज्य के राजा थे और वे संभवतः कनान के माध्यम से एक क्रूर यात्रा पर आए थे, अन्य छोटे शहरों पर हमला किया और इसे लूटने की कोशिश की। उस तरह के संदर्भ में 318 पुरुष काफी ताकतवर हो सकते हैं। लेकिन यह पूछना अब भी जायज़ सवाल है: उस समय की सैन्य गतिविधियों के बारे में हम जो जानते हैं, उससे यह कैसे मेल खाता है? यह हम जो जानते हैं उससे असंगत नहीं है, और वास्तव में जो लोग कहते हैं कि यह असंगत है, वे सैन्य टुकड़ियों के आकार के संबंध में उस समय की स्थिति

को नहीं समझते हैं।

सी. इब्राहीम और पलिश्तियों - अनाक्रोनिज़्म?

अब चलिए सीबी पर चलते हैं "उत्पत्ति 14।" सी. है: "अब्राहम और पलिश्ती।" इब्राहीम और पलिश्तियों का प्रश्न उत्पत्ति 21:32 में पाया जाता है जहाँ आप पढ़ते हैं, "इस प्रकार उन्होंने बेर्शेबा में एक वाचा बाँधी, परन्तु तब अबीमेलेक उठ खड़ा हुआ और उसके सेनाओं का प्रधान फिकोल , और पलिश्तियों के देश में लौट आया।" और पद 34 कहता है, "इब्राहीम पलिश्तियों के देश में बहुत दिनों तक रहा।" तो अध्याय 21 के निष्कर्ष में आपके पास अबीमेलेक और इब्राहीम के बीच एक कुएं के उपयोग को लेकर विवाद है, आपके पास पलिश्तियों का संदर्भ है।

यहां मैं कहूंगा कि अधिकांश टिप्पणीकारों का कहना है कि आपमें कालभ्रम है। कालभ्रम क्या है? यह उस समय की बात है जब इसे पाठ में रखा गया है, और जो कहा गया है वह यह है कि इसे किसी ने बाद में लिखा होगा, जो पलिश्तियों के बारे में जानता था जब पलिश्ती कनान देश में एक खतरा थे। लेकिन इब्राहीम के समय में पलिश्तियों का अस्तित्व नहीं था, इसलिए यह कालानुक्रमिक है। आमतौर पर यह बात कही जाती है कि पलिश्ती लगभग 1200 ईसा पूर्व तक कनान में नहीं पहुंचे थे, जो अब्राहम के समय (लगभग 2000 ईसा पूर्व) के काफी बाद है। उनका आगमन आम तौर पर समुद्री लोगों द्वारा मिस्र पर हमले से जुड़ा हुआ है जिसे खदेड़ दिया गया था। आमतौर पर यह सोचा जाता है कि पलिश्ती क्रेते से आए और भूमध्य सागर से आए और मिस्र पर हमला किया। फिर वे कनान देश के दक्षिणी तट पर बस गए, और उन लोगों का समूह बन गए जिन्हें हम दाऊद और शाऊल के समय से जानते हैं।

अब आलोचकों का कहना है कि कहानी बाद में लिखी गई थी, बाद में यह मान लिया गया कि पलिश्ती हमेशा वहाँ थे। मैं, मुझे लगता है, आखिरी कक्षा घंटे में, या उससे पहले, जॉन ब्राइट की पुस्तक *द हिस्ट्री ऑफ इज़राइल*, तीसरा संस्करण लाया हूं। जॉन ब्राइट उस पुस्तक के पृष्ठ 82 पर कहते हैं, कि पलिश्तियों का संदर्भ एक कालभ्रम है, और वह कहते हैं, "हालांकि इस अवधि के दौरान एजियन भूमि के साथ संपर्क थे, पलिश्तियों का आगमन बहुत बाद में हुआ।" अब हम उसके बारे में क्या कह सकते हैं? यह नोट्स के पृष्ठ 12 पर है, जोसेफ फ्री, *पुरातत्व और बाइबिल इतिहास*

का उत्तर है । फ्री की पुस्तक पृष्ठ 65-66 में, उन्होंने पलिश्तियों की समस्या पर चर्चा की है, जोसेफ फ्री वर्षों तक व्हीटन कॉलेज में प्रोफेसर थे। उन्होंने फ़िलिस्तीन में बहुत सारे पुरातत्व कार्य किए , वास्तव में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से वह ज़मीन खरीदी थी जिस पर दोथान स्थित था। तो मुझे लगता है कि वह या उसका परिवार या फाउंडेशन या जो भी डोथन का मालिक है, उसने बताया और उसने लंबे समय तक वहां खुदाई की। व्हीटन कॉलेज में डोथन की बहुत सारी कलाकृतियाँ हैं। लेकिन किसी भी स्थिति में , उन्होंने बाइबल और पुरातत्व पर यह पुस्तक लिखी, जो एक अच्छी पुस्तिका है । वह पृष्ठ 65 पर कहते हैं, "कुछ उदारवादियों का मानना है कि वर्ष 2000 में इब्राहीम के पलिश्तियों के साथ लेन-देन का यह संदर्भ एक गलती है क्योंकि पलिश्ती वर्ष 1200 के आसपास आए थे। येल के बरोज़ ने कहा 'हमने देखा है कि पलिश्ती आए थे आरंभिक लौह युग में फ़िलिस्तीन, 1200 से अधिक दूर नहीं। इब्राहीम और इसहाक के बारे में इतनी देर से तारीख बताना काफी असंभव है, फिर भी उत्पत्ति की पुस्तक दोनों को फ़िलिस्तियों और राजा अबीमेलेक के साथ संबंधों के रूप में दर्शाती है।" बरोज़ कहते हैं कि इसे एक सुविधाजनक और हानिरहित कालभ्रम के रूप में समझाया जा सकता है और यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'किसी भी दर पर, और जो गलती हमें सामने आई है वह निस्संदेह एक गलती है।" फ्री की टिप्पणी है कि "इस प्रकार के कथित विरोधाभास का उपयोग अक्सर उदारवादियों द्वारा अपने समर्थन के लिए किया जाता है यह कथन कि बाइबल में समस्याएँ हैं और कई मामलों में प्रत्यक्ष विरोधाभास भी हैं।" लेकिन फ़्री कहते हैं, "वास्तव में कोई विरोधाभास नहीं है, पूरा तर्क चुप्पी पर आधारित है। अभी तक ऐसे अनिर्णायक पुरातात्विक साक्ष्य मिले हैं जो दिखाते हैं कि 2000 ईसा पूर्व में फ़िलिस्तीन में फ़िलिस्तीन थे, हालाँकि, यह पूरी तरह से संभव है कि वे इस प्रारंभिक तिथि में फ़िलिस्तीन में थे, और उनकी संख्या ईजियन सागर के अन्य फ़िलिस्तीनियों द्वारा लगभग बढ़ गई थी। 1200. यह अंतिम प्रवाह पुरातात्विक खोजों से प्रदर्शित होता है। यह पूरी तरह से संभव है कि हमें कनान में पहले के पलिश्तियों के पुरातात्विक साक्ष्य मिलेंगे। किसी भी घटना में, पवित्रशास्त्र के अंशों की इतनी सारी अन्य पुष्टियाँ पाई गई हैं कि जब कोई इस बात पर ज़ोर देता है कि इस समय फ़िलिस्तीन में कोई फ़िलिस्तीन नहीं हो सकता है, तो किसी तर्क को चुपचाप दबाने की सलाह नहीं दी जाती है।

आप देखिए, यह उसी प्रकार की चीज़ का एक उदाहरण है जिसके बारे में हमने पहले

बाइबिल के कथन को संदिग्ध मानते हुए बात की थी, क्योंकि पुरातत्व साक्ष्यों द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की गई है। क्या हम कभी कनान के दक्षिणी तटीय क्षेत्र में 2000 ईसा पूर्व में पलिश्तियों के पुरातात्विक साक्ष्य को उजागर करेंगे, यह एक खुला प्रश्न है। शायद हम करेंगे, शायद हम नहीं करेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि हमें यह महसूस करने की ज़रूरत नहीं है कि हमें यह निष्कर्ष निकालना होगा कि बाइबिल की सामग्री केवल इसलिए संदिग्ध है क्योंकि हमारे पास उस तरह की पुरातात्विक पुष्टि नहीं है। उस पर कोई प्रश्न?

मैं केवल यह कह सकता हूं कि यदि आप निर्गमन 13:17 पर जाएं , और वहां आपके पास यह कथन है कि, "परमेश्वर ने उन्हें निर्गमन के समय, पलिश्तियों की भूमि के माध्यम से नहीं, यद्यपि वह निकट था , नेतृत्व किया, क्योंकि परमेश्वर ने कहा था 'ऐसा न हो कि लोग युद्ध देखकर पश्चाताप करें और मिस्र लौट जाएँ।" निर्गमन 13:17 का निहितार्थ यह है कि निर्गमन के समय पलिश्ती उस तटीय क्षेत्र में मजबूत थे। अब यदि आप निर्गमन की प्रारंभिक तिथि को मानते हैं जो लगभग 1400 ईसा पूर्व है, तो आप अभी भी उस समय से पहले हैं जब पलिश्तियों के दक्षिणी कनान में होने के प्रमाण हैं, जो लगभग 1200 ईसा पूर्व है, इसलिए यह केवल इब्राहीम और इसहाक के साथ समस्या नहीं है, बल्कि मुझे लगता है कि पुरातात्विक साक्ष्यों पर हमारी प्रतिक्रिया खंडित है, यह वास्तव में मामले को स्थापित नहीं करती है।

जाहिर तौर पर उस तटीय क्षेत्र में जहां पलिश्ती स्थित थे, उन्हें 1200 के आसपास कब्जे के सबूत मिले हैं, लेकिन इससे पहले के कब्जे के सबूत उन्हें नहीं मिले हैं। यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर हो सकता है कि यह किस प्रकार का व्यवसाय था, उनकी संस्कृति किस प्रकार की थी और वे कैसे रहते थे। इसमें बहुत सारे परिवर्तन हो सकते हैं, बस उन्हें वहां पहले पलिश्ती बस्तियों के सबूत नहीं मिले हैं।

कभी-कभी आप नहीं जानते कि कहां खुदाई करनी है। देखें कि यदि आपके पास दीर्घकालिक साइट है जिसने ये जानकारी तैयार की है तो साइट की पहचान करना बहुत आसान है, लेकिन यदि आपके पास दीर्घकालिक साइट नहीं है, तो कौन जानता है कि वे कहां थीं। वे कहीं भी हो सकते हैं.

ठीक है, हम उसे कल उठा लेंगे।

मेडेलीन बर्नर द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा
कच्चा और अंतिम संपादन टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया